परमात्म ऊर्जा

एक सेकण्ड में अपने को अपने सम्पूर्ण निशाने और नशे में स्थित कर सकते हो? सम्पूर्ण निशाना क्या है, उसको तो जानते हो ना। जब सम्पूर्ण निशाने पर स्थित हो जाते हैं, तो नशा तो रहता ही है। अगर निशाने पर बुद्धि नहीं टिकती तो नशा भी नहीं रहेगा। निशाने पर स्थित होने की निशानी है नशा। तो ऐसा नशा सदैव रहता है? जो स्वयं नशे में रहते हैं वह दूसरों को भी नशे में टिका सकते हैं। जैसे कोई हद का नशा पीते हैं तो उनकी चलन से, उनके नैन-चैन से कोई भी जान लेता है - इसने नशा पिया हुआ है। इसी प्रकार, यह जो सभी से श्रेष्ठ नशा है, जिसको ईश्वरीय नशा कहा जाता है, इसी में स्थित रहने वाला भी दूर से दिखाई तो देगा ना। दूर से ही वह अवस्था इतना महसूस करें - यह कोई ईश्वरीय लगन में रहने वाली आत्मायें हैं। ऐसे अपने को महसूस करते हो? जैसे आप कहाँ भी आते-जाते हो, तो लोग देखने से ही समझें कि यह कोई प्रभु की प्यारी-न्यारी आत्मायें हैं। ऐसे अनुभव करते हैं? भक्ति मार्ग में भी ऐसी आत्मायें होती हैं। उन्हों के नैन-चैन से प्रभु प्रेमी देखने आते हैं। तो ऐसी स्थिति इसी दुनिया में रहते हुए, ऐसी कारोबार में चलते हुए समझते हो कि यह अवस्था रहेगी या सिर्फ लास्ट में दर्शनमूर्त की यह स्टेज होगी? क्या समझते हो- क्या अन्त तक साधारण रूप ही रहेगा व यह झलक चेहरों से दिखाई देगी? व सिर्फ लास्ट टाइम जैसे पर्दे के अन्दर तैयार हो फिर पर्दा खुलता है और सीन सामने आकर समाप्त हो जाती है, ऐसे होगा? कुछ समय यह झलक दिखाई देगी। कई ऐसे समझते हैं कि जब फर्स्ट, सेकण्ड आत्मायें जो निमित्त बनीं वही साधारण गुप्त रूप अपना साकार रूप का पार्ट समाप्त कर चले गये तो हम लोगों की झलक फिर क्या दिखाई देगी? लेकिन नहीं। 'सन शोज फादर' गाया हुआ है। तो फादर का शो बच्चे प्रैक्टिकल में लाने से ही करेंगे।

'अहो प्रभु' की पुकार जो आत्माओं की निकलेगी व पश्चाताप की लहर जो आत्माओं में आयेगी वह कब, कैसे आयेगी? जिन्होंने साकार में अनुभव ही नहीं किया उन्हों को भी बाप के परिचय से कि हम बाबा के बच्चे हैं, यह कब मानेंगे कि बरोबर बाप आये लेकिन हम लोगों ने कुछ नहीं पाया? तो यह प्रैक्टिकल रूहानी झलक और फरिश्तेपन की झलक चेहरे से, चलन से दिखाई दे। अपने को और आप निमित्त बनी हुई आत्माओं की स्टेज को देखते हुए अनुभव करेंगे- बाप ने इन्हों को क्या बनाया! और फिर पश्चाताप करेंगे। अगर यह झलक नहीं देखते तो क्या समझेंगे? इतना समय ज्ञान तो नहीं लेंगे जो नॉलेज से आपको जानें। तो यह प्रैक्टिकल चेहरे से झलक और फलक दिखाई देगी। बाप के तो महावाक्य ही हैं कि मैं बच्चों के आगे प्रत्यक्ष होता हूँ। लेकिन विश्व के आगे कौन प्रख्यात होंगे? वह साकार में बाप का कर्त्तव्य था, प्रैक्टिकल में बच्चों का कर्त्तव्य है प्रख्यात होने का और बाप का कर्त्तव्य है बैकबोन बनने का, गुप्त रूप में मददगार बनने का। इसलिए ऐसे भी नहीं कि जैसे मात-पिता का गुप्त पार्ट चला वैसे ही अन्त तक गुप्त वातावरण रहेगा। जयजयकार शक्तियों की गाई हुई है और 'अहो प्रभु' की पुकार बाप के लिए गाई हुई है।

कथा सरिता

पैसे की बचत

एक बार की बात है सीमा नाम की एक महिला थी। उसकी एक सास थी जिसका नाम रमा था। जोकि बहुत खर्चीली थी। सीमा जहाँ बचत पर ज़ोर देती थी वही उसकी सास कोई बचत नहीं करती और बेफिजूल खर्च करती थी।

एक बार सीमा ने अपनी सास को कुछ पैसे रखने के लिए दिए जिसको वह अगले दिन बैंक में जमा करवाने वाली थी। उसकी सास उन पैसों से बाज़ार से अपने लिए कपड़े लेकर आ गयी।

अगले दिन जब सीमा ने अपनी सास से पैसे मांगे तो सास ने बताया वह तो उसने खर्च कर दिए हैं। उसने सीमा को कहा बचत करने की कोई ज़रूरत नहीं है। ज़िंदगी को अच्छे से जीना चाहिए। सीमा अपनी सास को बेफिजूल घर की लाइट जलाने से मना करती थी। जोकि उसकी सास को बिल्कुल पसंद नहीं था। वह इन बातों पर अपनी बहू सीमा को डांट देती थी। इसके बाद सीमा ने भी निर्णय कर लिया कि वह अपनी सास को रोकेगी नहीं। सीमा ने इसके बाद अपनी सास के कमरे का बल्ब लाकर बदल दिया।

सास के पूछने पर सीमा ने कहा कि अब वह जितना चाहे उतनी लाइट जला सकती हैं। एक दिन सीमा की सास को पकोड़े खाने की इच्छा हुई। उसने सीमा को पैसे देकर कहा कि जाकर राजू हलवाई की दुकान से पकोड़े ले आए।

कुछ देर में सीमा अपनी सास को पकौड़े लाकर देती है जो उसको बहुत पसंद आते हैं। इसी तरह दिन बीते जा रहे थे और सीमा ने अपनी सास को फिजूल खर्ची पर टोकना बंद कर दिया था। एक दिन सीमा की सास बीमार हो गयी।

उसको जब हॉस्पिटल में भर्ती कराया तो डॉक्टर ने एक बड़ी बीमारी बता कर शहर के हॉस्पिटल में रेफर करने को कहा। जब सीमा के पति ने डॉक्टर से इसका खर्च पूछा तो डॉक्टर ने 2 लाख बताया।

यह सुनकर सीमा का पति और उसकी सास बहुत दुःखी हो गए कि इतने पैसे हम कहाँ से लाएंगे, लेकिन सीमा ने डॉक्टर को अपनी सास को शहर के डॉक्टर को रेफर करने को कहा। जिससे उसके पति और सास हैरान हो गए।

सीमा ने बताया कि यह पैसे उसने घर खर्च में बचत करके जोड़े हैं। इसके बाद कुछ दिनों बाद सीमा की सास शहर में से अपना इलाज करा कर आ गयी। अब वह पूरी तरह से स्वस्थ थी।

उसने आकर सीमा से पूछा कि तूने इतने पैसे कैसे जोड़े मैं तो तूझे बचत करते समय हमेशा मना करती थी।

सीमा ने बताया कि मैंने सारे घर में कम बिजली प्रयोग करने वाले बल्ब लगाए और जब भी आप मुझे बाहर से पकोड़े लाने को कहती थी तो मैं घर पर ही आपको पकोड़े बनाकर खिलाती थी। उसने सीमा की बहुत तारीफ की और खुद भी आगे से पैसे बचाने का निर्णय लिया।

सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें फिजूलखर्ची से बचकर पैसे का सही इस्तेमाल करना चाहिए।

उदयपुर-मोती मगरी स्कीम(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में सावन उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मोती मगरी स्कीम विकास समिति के अध्यक्ष तिवारी जी, महासचिव नरेंद्र खाब्या, नगर निगम उद्यान समिति के अध्यक्ष समीर परशाद, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रीटा दीदी, ब्र.कु. रीमा बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे। इस मौके पर महिलाओं के ट्रेडिशनल ड्रेस कॉम्पटिशन, बच्चों के फैंसी ड्रेस कॉम्पटिशन आदि का आयोजन हुआ एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

पूर्वी ताम्बेश्वर-फतेहपुर(उ.प्र.)। समाजसेवी अशोक तपस्वी को शॉल पहनाकर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. दिव्या बहन।

जालंधर-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के आदर्श नगर स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा वाई 20 कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 'हेल्थ, वेलबींग एंड स्पोर्ट्स' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता ब्र.कु. अरुण कौशिक,स्पोर्ट्स विंग कोऑर्डिनेटर,चंडीगढ़, जालंधर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. संधिरा बहन, डॉ. अर्पणा, रिटा. आर्मी ऑफिसर सुनील कुमार शर्मा व लगभग 250 विद्यार्थी मौजूद रहे।

तोशाम-हरियाणा। वाई 20 कार्यक्रम में सरपंच राजेश तंवर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मंजू बहन, ब्र.कु. अरुण भाई, ब्र.कु. वसुधा बहन, कदमा, हरियाणा तथा अन्य।

बाड़मेर-राज.। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं माउण्ट आबू इंटरनेशनल हैम रेडियो क्लब के तत्वाधान में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र एवं स्कूल में 'टेलीकॉम कंज़्यूमर जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। जिसमें आर.जे. रमेश ने उपभोक्ताओं को टेलीकॉम सेवाओं के उचित उपयोग के लिए जागरुक किया और धोखाधड़ी से बचने के तरीके सिखाए। कार्यक्रम में बाड़मेर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बबिता बहन, स्थानीय पत्रकार समाज सेवक अक्षदम बरोट, रणवीर सिंह बहादुर, मुस्कान मेगवाल बीजेपी महामंत्री बाड़मेर डॉ. राधा समाजसेवी, गोमती जी तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

राजसमंद-राज.। जिला पुलिस अधीक्षक को परमात्म संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पूनम बहन। साथ हैं ब्र.कु. गौरी बहन।

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा योग दिवस के उपलक्ष्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, खेल एवं युवा मंत्रालय, संसदीय मामलों का मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कोबेल्को, डेन्सो, डीएसवी सोल्यूशंस, एसकेएच मेटल्स, सुब्रोस आदि भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं कॉर्पोरेट में कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें सभी विभागों के मंत्री, सचिव, अति. सचिव, संयुक्त सचिव और सभी उच्च अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।